## विषय–बहीखाता एवं लेखाकर्म Set-A

**निर्देश :** (i) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(ii) प्रश्न क्रमांक 1 में दो खण्ड हैं। खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय प्रश्न तथा खण्ड (ब) में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक आबंटित है।

(iii) प्रश्न क्रमांक 2 से 9 तक अतिलघुउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक आबंटित हैं। (उत्तर की अधिकतम शब्द-सीमा 30 शब्द)

(iv) प्रश्न क्रमांक 10 से 15 तक अतिलघुउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 3 अंक आबंटित हैं। (सैद्धांतिक उत्तर की अधिकतम शब्द-सीमा 50 शब्द)

(v) प्रश्न क्रमांक 16 से 21 तक लघुउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में एक आंतरिक विकल्प है। प्रत्येक प्रश्न पर 4 अंक आबंटित हैं। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प है। (सैद्धांतिक उत्तर की अधिकतम शब्द-सीमा 75 शब्द )

(vi) प्रश्न क्रमांक 22 से 25 तक दीर्घउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प है। प्रत्येक प्रश्न पर 5 अंक आबंटित हैं।

(vii) प्रश्न क्रमांक 26 से 27 तक दीर्घउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प है। प्रत्येक प्रश्न पर 6 अंक आबंटित हैं।

1. **(खण्ड-अ)** सही विकल्प चुनकर लिखिए–

(i) अवशेष मूल्य का महत्व निम्न पद्धति में होता है :
(अ) स्थायी किस्त पद्धति (ब) क्रमागत ह्रास पद्धति
(स) ह्रास कोष पद्धति (द) वार्षिक वृत्ति पद्धति

(ii) मूल्य-ह्रास की गणना की जाती है–
(अ) पुस्तक मूल्य पर (ब) बाजार मूल्य पर
(स) विक्रय मूल्य पर (द) इनमें से किसी पर भी नहीं

(iii) वसीयत होगा–
(अ) देयता (ब) आयगत प्राप्ति
(स) पूँजीगत प्राप्ति (द) इनमें से कोइे नहीं

(iv) साझेदारी व्यवसाय के संचालन सम्बंधी नियमों एवं शर्तों का उल्लेख किया जाता है–
(अ) साझेदारी संलेख में
(ब)साझेदारी के पंजीयन में
(स) साझेदारी के विघटन पत्र में
(द) किसी भी प्रपत्र में

(v) सेबी के निर्देशों के अनुसार शोधन के पूर्व ऋणपत्रों की राशि का कितने प्रतिशत से ऋणपत्र शोधन का निर्माण करना होगा?
(अ) 40% (ब) 50%
(स) 70% (द) 100%

ccts.com

1. **(खण्ड-ब)** रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–
   (i) ह्रास लगाने का आधार .....है।
   (ii) समर्पित निधि को चिट्ठे के ..... पक्ष में दर्शाया जाता है।
   (iii) जो व्यक्ति साझेदारी में शामिल होते हैं वे संयुक्त रूप से ..... कहलाते हैं।
   (iv) ऋणपत्र कम्पनी की .....के अधीन जारी किए जाते हैं।
   (v) कम्पनी स्थापना के मूल नियमों को बताने वाले प्रलेख को ..... कहते हैं।
2. प्रेषक दर्शनार्थ बीजक में लागत से अधिक मूल्य क्यों दर्शाता है?
3. प्रेषक पर भेजे गए माल का बीजक मूल्य ₹ 80,000 है। यह लागत मूल्य से 25% अधिक है। लागत मूल्य ज्ञात कीजिए।
4. ₹ 2,00,000 बीजक मूल्य का माल एजेण्ट को प्रेषण पर भेजा। उस पर बीजक मूल्य की रकम के 75% भाग का तीन माह की अवधि का एक विपत्र लिखा। विपत्र-राशि ज्ञात कीजिए।
5. प्राप्ति-भुगतान खाता बनाने के कोई दो उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।
6. आय-व्यय खाते से क्या : है?
7. नये साझेदार को फर्म में प्रवेश देने की आवश्यकता के दो कारण समझाइए।
8. संयुक्त साहस (ज्वायंट वेन्चर) और साझेदारी में कोई दो समानताएँ लिखिए।
9. संचित पूँजी क्या है? समझाइए।
10. मूल्यह्रास और उच्चावचन में कोई तीन अंतर स्पष्ट कीजिए।
11. निम्नलिखित सूचना से 31 दिसम्बर, 2012 को समाप्त होने वाले वर्ष का प्राप्ति-भुगतान खाता बनाइए।
    प्रारंभिक शेष ₹ 8,000, चालू वर्ष का चंदा प्राप्त ₹ 35,000, आगामी वर्ष का चंदा प्राप्त ₹ 1,000, फर्नीचर क्रय ₹ 3,000, विनियोग किया ₹ 25,000, सामान्य व्यय ₹ 5,500, अदत्त व्यय ₹ 300, फर्नीचर पर ह्रास 10%
12. एक व्यापारिक फर्म की पूँजी ₹ 80,000 है। फर्म का औसत लाभ ₹ 9,000 है। ऐसे व्यापार पर 7.5% आय अपेक्षित है। अधिलाभ के पूँजीकृत मूल्य के आधार पर ख्याति का मूल्य ज्ञात कीजिए।
13. अंश और स्कंध में कोई तीन अंतर स्पष्ट कीजिए।
14. आशा लिमिटेड ने प्राप्त ₹ 100 वाले ₹ 2000, 12% ऋणपत्र निर्गमित किए। कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए, यदि ऋणपत्र सममूल्य पर निर्गमित किए गए समस्त राशि एकमुश्त प्राप्त हुई।
15. सोनी कम्पनी ने प्रति ₹ 500 वाले ₹ 5000 समता अंशों का निर्गमन ₹ 100 प्रति अंश प्रीमियम पर किए। आवेदन के समय सभी अंशों से प्रीमियम सहित सम्पूर्ण राशि प्राप्त हो गई। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए।

16. एक यंत्र पर दो वर्ष तक 10% की दर से घटती किस्त पद्धति से मूल्यह्रास लगाया गया, जो 1 जनवरी, 2010 को ₹ 30,000 में खरीदा गया था। 2012 में इसी दर पर मूल लागत पद्धति को यंत्र की क्रय तिथि से ही अपनाने का निश्चय किया गया। 2010 से 2012 तक का यंत्र खाता बनाइए।

**अथवा**

एक यंत्र 1 जनवरी, 2010 को ₹ 10,000 में क्रय किया गया। प्रतिवर्ष 10% की वार्षिक दर से स्थायी किसत पद्धति से अवक्षयण लगाया गया। 1 जनवरी, 2012 को यह निश्चित किया गया कि यंत्र पर उसकी क्रय तिथि से ही 15% की वार्षिक दर से स्थायी किस्त पद्धति से ह्रास लगाया जायेगा। 2010 से 2012 तक का यंत्र खाता बनाइए।

17. प्रेषण और बिक्री में किन्हीं चार बिन्दुओं में अंतर स्पष्ट कीजिए।

**अथवा**

प्रेषण खाता एवं लाभ-हानि खाता में किन्हीं चार बिन्दुओं में अंतर स्पष्ट कीजिए।

18. फर्म के विघटन की दशा में हिसाब-किताब का निपटारा कैसे किया जाता है?

**अथवा**

क्या साझेदारी फर्म का पंजीयन कराना अनिवार्य है? पंजीयन नहीं कराने पर क्या प्रभाव पड़ता है?

19. सचिन एवं धोनी 2:1 के अनुपात में साझेदार हैं। 31 मार्च, 2012 को उनका चिट्ठा निम्न प्रकार था–

| दायित्व | राशि ₹ | सम्पत्तियाँ | राशि ₹ |
|---|---|---|---|
| लेनदार | 90,000 | देनदार | 40,000 |
| सचिन का ऋण | 40,000 | विविध सम्पत्तियाँ | 1,40,000 |
| पूँजी खाता– | | | |
| सचिन ₹ 20,000 | | | |
| धोनी ₹ 30,000 | 50,000 | | |
| | 1,80,000 | | 1,80,000 |

उन्होंने उक्त तिथि को फर्म के विघटन का निर्णय किया। देनदारों से ₹ 30,000 तथा विविध सम्पत्तियों से ₹ 1,20,000 वसूल हुए। वसूली खाता बनाइए।

**अथवा**

*A* और *B* ने 313 दिसम्बर, 2010 को अपने व्यवसाय के समापन का निर्णय लिया। उस तिथि को उनका चिट्ठा निम्न प्रकार था–

| दायित्व | राशि ₹ | सम्पत्तियाँ | राशि ₹ |
|---|---|---|---|
| लेनदार | 10,000 | रोकड़ | 2,000 |
| *A* का ऋण | 18,000 | देनदार | 13,000 |
| पूँजी खाता– | | विविध सम्पत्तियाँ | 68,000 |
| *A* ₹ 20,000 | | ख्याति | 5,000 |
| *B* ₹ 40,000 | 60,000 | | |
| | 88,000 | | 88,000 |

साझेदार अपनी पूँजी के अनुपात में लाभ-हानि विभाजित करते हैं। ख्याति से ₹ 6,000 वसूल हुए, लेनदारों को 5% कटौती पर भुगतान किया गया। विविध सम्पत्तियों से ₹ 63,000 वसूल हुए। देनदारों से ₹ 8,000 वसूल हुए। समापन की लागत ₹ 500 हुई। वसूली खाता बनाइए।

20. संयुक्त साहस (ज्वायंट वेन्चर) के कोई चार लक्षण समझाइए।

**अथवा**

संयुक्त साहस (ज्वायंट वेन्चर) के किन्हीं चार लाभों को समझाइए।

21. अजय और विजय ने संयुक्त साहस (ज्वायंट वेन्चर) में 3:1 के अनुपात में लाभ-हानि बाँटते हुए कार्य करने का निश्चय किया। इस सम्बन्ध में निम्नलिखित लेन-देन हुए–

(i) माल का क्रय ₹ 30,000
(ii) व्ययों का भुगतान ₹ 1,500
(iii) माल का विक्रय ₹ 36,000
(iv) अजय ने स्वयं रख लिया ₹ 1,000 का माल

संयुक्त साहस (ज्वायंट वेन्चर) खाता बनाइए।

**अथवा**

A, B और C ने माल खरीदने व बेचने के लिए एक संयुक्त साहस (ज्वायंट वेन्चर) की शुरूआत की। C ने ₹ 60,000 A से तथा ₹ 60,000 B से प्राप्त किए और ₹ 60,000 स्वयं भी लगाए। उनसे ₹ 1,60,000 का नकद माल खरीदा और ₹ 6,400 खर्चे के चुकाए। उसने सारा माल ₹ 2,00,000 में बेच दिया। लाभ-हानि का विभाजन समान अनुपात में किया जाना है। A एवं B का संयुक्त साहस (ज्वायंट वेन्चर) खाता तैयार कीजिए।

22. एक कम्पनी के बही-खाते में यंत्र खाते का शेष 1 जनवरी 2010 को ₹ 80,000 था। 30जून, 2010 को ₹ 10,000 का एक अतिरिक्त यंत्र क्रय किया। 31 दिसम्बर, 2010 को पुराने यंत्र के एक भाग, जिसका मूल्य 1 जनवरी, 2010 को ₹ 2,000 था, को ₹ 2,300 में बेच दिया गया। 10% की वार्षिक दर से ह्रासमान शेष पद्धत्ति से ह्रास लगाते हुए 2010 का मशीन खाता तैयार कीजिए।

**अथवा**

1 जनवरी, 2000 को एक कम्पनी के बही-खाते में यंत्र खाते का शेष ₹ 38,000 था। उसके अंतिम खाते 31 दिसम्बर को बनाए जाते हैं और मूल्यह्रास क्रमागत शेष पद्धत्ति

a2zsubjects.com

पर 10% प्रतिवर्ष अपलिखित किया जाता है। 1 जुलाई, 2000 को एक नया यंत्र ₹ 6,960 में खरीदा गया और उसी दिन एक यंत्र, जो 1 जनवरी, 1997 को ₹ 2,000 मूल्य का था, को 1,500 में बेच दिया गया। वर्ष 2000 के लिए यंत्र खाता बनाइए।

23. रूचि ट्रेडर्स, इन्दौर ने 50 पंखे पिन्टू ट्रेडर्स, रीवा को ₹ 360 प्रति पंखे की दर से प्रेषण पर भेजे तथा इस सम्बन्ध में ₹ 300 पैकिंग और ₹ 240 रेलभाड़ा के दिए। 5 पंखे रास्ते में खो गए। एजेण्ट ने ₹ 45 गाड़ी भाड़ा, ₹ 135 गोदाम किराया एवं 1% दलाली के दिए। एजेण्ट ने 35 पंखे ₹ 520 प्रति पंखे की दर से बेचे। उसे कुल बिक्री पर 7.7% कमीशन प्राप्त होना है। प्रेषक को माल रास्ते में खोने के ₹ 900 रेलवे द्वारा क्षतिपूर्ति के प्राप्त हुए। प्रेषक के बही-खाते में प्रेषक खाता बनाइए।

**अथवा**

कोरबा कोल कम्पनी ने 1000 टन कोयला भोपाल के भोपाल कोल स्टोर्स को ₹ 12 प्रति टन की दर से प्रेषण पर भेजा। इस सम्बन्ध में कम्पनी ने ₹ 600 बीमा एवं ₹ 1,300 भाड़ा एवं लदान व्यय के दिए। भोपाल कोल स्टोर्स ने ₹ 200 गाड़ी भाड़ा और ₹ 300 गोदाम किराए के दिए। उन्होंने ₹ 760 टन कोयला ₹ 14,200 में बेच दिया और उनके पास 190 टन कोयला बचा रहा गया। 5% कमीशन चार्ज पर शेष राशि का ड्राफ्ट एजेण्ट द्वारा भेजा गया। प्रेषण की बही में प्रेषण खाता बनाइए।

24. राम और श्याम 3:1 के अनुपात में साझेदारी है। 31 दिसम्बर, 2012 को उनका चिट्ठा निम्नलिखित है:

| दायित्व | | राशि ₹ | सम्पत्तियाँ | राशि ₹ |
|---|---|---|---|---|
| लेनदार | | 10,000 | देनदार | 16,000 |
| पूँजी खाता : | | | स्कंध | 20,000 |
| राम | ₹30,000 | | फर्नीचर | 2,000 |
| श्याम | ₹10,000 | 40,000 | भवन | 24,000 |
| देय बिल | | 12,000 | | |
| | | **62,000** | | **62,000** |

उन्होंने 1 जनवरी, 2013 को मोहन को निम्न शर्तों पर प्रवेश दिया—

(i) फर्म के भावी लाभों में से $\frac{1}{5}$ भाग प्राप्त करने हेतु मोहन पूँजी के रूप में ₹ 10,000 देगा और ₹ 8,000 ख्याति के रूप में देगा।

(ii) स्कंध व फर्नीचर का मूल्य 10% कम करना है और अप्राप्त ऋण के लिए 5% संचिति का सृजन किया जाएगा।

(iii) भवन का मूल्य 20% बढ़ाया जाएगा।

**अथवा**

राजेश व अशोक साझेदार हैं, जो क्रमशः $\frac{3}{5}$ व $\frac{2}{5}$ के अनुपात में लाभ विभाजित करते हैं। उनका स्थिति विवरण निम्न है—

| दायित्व | राशि ₹ | सम्पत्तियाँ | राशि ₹ |
|---|---|---|---|
| पूँजी : | | रोकड़ | 1,300 |
| राजेश ₹ 4,000 | | देनदार ₹ 2,000 | |
| अशोक ₹ 2,000 | 6,000 | (-) संचय ₹ 800 | 1,200 |
| | | स्कंध | 3,000 |
| लेनदार | 800 | यंत्र | 1,300 |
| | **68,000** | | **68,000** |

उन्होंने उमेश को फर्म में साझेदार के रूप में प्रवेश देने का निश्चय किया इस शर्त पर कि वह व्यापार में ₹ 2,000 ख्याति के तथा नये फर्म का लाभों में से भाग प्राप्त करने ₹ 4,650 पूँजी के लिए देगा।यह भी तय हुआ कि—

(i) डूबते ऋण संचय को ₹ 200 घटा दिया जाए,

(ii) स्टॉक ₹ 4,000 पर पुनः मूल्यांकित किया जाए,

(iii) यंत्र का मूल्य घटाकर ₹ 1,000 कर दिया जाए।

पुनर्मूल्यांकन खाता बनाइए।

25. वासु व शेखर एक संयुक्त साहस(ज्वायंट वेन्चर) में शामिल हुए। उनका लाभ-हानि विभाजन का अनुपात 3:2 है। संयुक्त साहस (ज्वायंट वेन्चर) के लिए वे पृथक बही नहीं रखते है। साहस में सहसाहसियों द्वारा लगाई गई राशियाँ व उनके द्वारा प्राप्त की गई राशियाँ निम्नानुसार हैं—

| विवरण | वासु (₹) | शेखर (₹) |
|---|---|---|
| वस्तु का क्रय | 85,000 | 65,000 |
| क्रय पर व्यय | 2,500 | 1,300 |
| विक्रय से प्राप्त | 90,000 | 75,000 |
| स्टॉक जिसे लिया गया | 5,000 | 4,000 |

केवल वासु की बही में जर्नल के आवश्यक लेखे कीजिए।

**अथवा**

उपरोक्त प्रश्न 25 में दी गई जानकारी से वासु की बही में संयुक्त साहस (ज्वायंट वेन्चर) खाता तैयार कीजिए।

26. जैन औषधालय, भोपाल का प्राप्ति तथा शोधन खाता 31 दिसम्बर, 2008 को निम्न प्रकार है :

| प्राप्तियाँ | | राशि | भुगतान | राशि |
|---|---|---|---|---|
| | | ₹ | | ₹ |
| शेष ला/ग | | 2,050 | वेतन | 800 |
| वार्षिक चन्दे: 2007 | ₹200 | | दवाइयाँ | 4,200 |
| 2008 | ₹4,100 | | धोबी का व्यय | 300 |
| 2009 | ₹300 | 4,600 | बगीचे पर व्यय | 400 |
| दान | | 1,000 | कार व्यय | 700 |
| रोगियों के मित्रों से आय | | 600 | लेखन सामग्री | 200 |
| वार्ड का किराया | | 400 | उपस्कर | 1000 |
| अन्य आय | | 200 | औजार एवं यंत्र | 500 |
| | | | हस्तस्थ रोकड़ | 750 |
| | | **8,850** | | **8,850** |

जैन औषधालय के पास वर्ष के प्रारम्भ में भवन ₹ 4,000, उपस्कर ₹ 2,000, दवाइयाँ ₹ 800, कार ₹ 6,000, लेखन सामग्री, ₹ 40, अप्राप्त शुल्क ₹ 200 तथा अग्रिम शुल्क ₹ 300 था। वर्ष के अंत में रोगियों के मित्रों से ₹ 200 प्राप्त होने की आशा है, दवाइयाँ ₹ 1,000 की तथा लेखन सामग्री ₹ 50 की शेष हैं। वेतन का ₹ 200 देना बाकी है। औषधालय के पास 450 सदस्य हैं। प्रत्येक से ₹ 10 वार्षिक शुल्क प्राप्त होता है। आय-व्यय खाता बनाइए।

**अथवा**

संजय क्लब के निम्नलिखित प्राप्ति-भुगतान खाते तथा नीचे दी गई सूचनाओं से 31 दिसम्बर, 2013 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय-व्यय खाता बनाइए:

| प्राप्तियाँ | | राशि | भुगतान | राशि |
|---|---|---|---|---|
| | | ₹ | | ₹ |
| शेष ला/ग | | 2,000 | वेतन | 2,000 |
| प्रवेश शुल्क | | 200 | विद्युत व्यय | 150 |
| चन्दे: | | | किराया | 400 |
| 2012 | ₹500 | | लेखन सामग्री | 250 |
| 2013 | ₹4,500 | | नये फर्नीचर का क्रय | 2,000 |
| 2014 | ₹700 | 5,700 | विनियोग (1 अप्रैल, 2013 को 125 वार्षिक की दर से) | 3,000 |
| विनियोगों पर ब्याज | | 200 | | |
| मनोरंजन पर लाभ | | 1,200 | अन्य व्यय | 500 |
| | | | 31 दिसम्बर, 2013 को शेष | 1,000 |
| | | **9,300** | | **9,300** |

1 जनवरी, 2013 को क्लब के पास ₹ 3,000 मूल्य का फर्नीचर था तथा ₹ 200 वेतन के गत वर्ष के देने थे। फर्नीचर पर ह्रास 10% प्रतिवर्ष है। 31 दिसम्बर, 2013 को अदत्त वेतन के ₹ 400 है। तथा चन्दा का ₹ 300 अप्राप्त है।

27. माया कम्पनी ने प्रति ₹ 20 वाले 10000 अंश निर्गमित किए। राशियाँ इस प्रकार देय थीं– ₹ 10 आवेदन पर, ₹ 5 आबंटन पर व शेष ₹ 5 प्रति अंश याचना पर। 400 अंशों के एक धारक से याचना राशि प्राप्त नहीं हुई।

कम्पनी के बही-खाते में जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

**अथवा**

लालाजी के पास सोनी लिमिटेड के प्रति ₹ 20 वाले 100 समता अंश थे तो 10% बट्टे पर निर्गमित किए गए थे। उसने ₹ 4 आवेदन पर, ₹ 4 आबंटन पर (बट्टा घटाकर) दिया, किन्तु प्रथम याचना पर ₹ 5 तथा द्वितीय एवं अंतिम याचना पर ₹ 5 का भुगतान नहीं कर सका।

कम्पनी की बहियों में उपर्युक्त के लिए पूँजी प्रविष्टियाँ कीजिए।